रजत जयंती समारोह

जनमानस को बदलने के सुंदर प्रयास, सफल परिणति

जननायकों का सहयोग

पट्टी, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)

पट्टी में पाँच दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा एवं २४ कुण्डीय श्री गायत्री महायज्ञ दिनांक १ से ७ जनवरी तक भव्यरूप से सम्पन्न हुआ। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों आदमी कथा श्रवण एवं यज्ञ में भाग लेने हेतु उमड़ पड़े। पूरे नगर पट्टी में आयोजकों ने हॉर्न लगाए थे। स्थानीय एम.एल.ए. श्री मोती सिंह ने कार्यक्रम की भव्यता एवं मिशन की दिव्यता से प्रभावित होकर अपने सहयोग की इच्छा केन्द्रीय प्रतिनिधि के समक्ष रखी। संयोजक श्री उपाध्याय जी ने उनको साहित्य-पटल स्थापित करने हेतु सहयोग की प्रार्थना की, तो उन्होंने सहर्ष एक लाख रुपये के सहयोग की घोषणा कर दी। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने अपने उद्‌बोधन में मिशन की गतिविधियों एवं युगान्तरीय चेतना के अतुल प्रभाव की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की।

कुक्षी, धार (मध्य प्रदेश)

गायत्री शक्तिपीठ कुक्षी पर २४ से २६ नवम्बर की तारीखों में २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ रजत जयंती समारोह आयोजित हुआ। इसमें नगर के प्रमुख उद्योगपति, राजनेता, पत्रकार, मनावर क्षेत्र की विधायक श्रीमती रंजना, जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण रामसिंह एस्के, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री मुकामसिंह किराड़े, एवं केन्द्रीय मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राजुखेड़ी आदि प्रबुद्ध-गणमान्यों सहित क्षेत्र की धर्मप्रेमी जनता ने सामाजिक सुख-शांति, विकास एवं सद्‌बुद्धि की कामना से यज्ञ भगवान को आहुतियाँ समर्पित कीं। आयोजन की भव्यता एवं सफलता में नगर की धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं एवं गायत्री परिवार के ग्रामीण अंचल की शाखाओं -सृजन सेनानियों का अभूतपूर्व आत्मीय सहयोग प्राप्त हुआ।

चंदला, छतरपुर (मध्य प्रदेश)

चंदला में १५ से १७ नवम्बर की तारीखों में आयोजित रजत जयंती समारोह की सफलता में खजुराहो लोकसभा सांसद श्री रामकृष्ण कुसमरिया एवं स्थानीय विधायक श्री विजय बहादुर सिंह बुन्देला और उनकी पत्नी श्रीमती मनीषा कुमारी बुन्देला का विशेष सहयोग मिला। इस कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को विशेष प्रेरणा दी गयी। सभी को युग साहित्य प्रदान किया गया। नशा निवारण झाँकी प्रस्तुत करने वाले प्राचार्य श्री पाण्डेय जी का विशिष्ट सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन जिला पंचायत अध्यक्ष श्री वीरसिंह राजपुरोहित की उपस्थिति में हुआ।

सामाजिक समरसता की झाँकी

जलगाँव (महाराष्ट्र)

जिन दिनों महाराष्ट्र में कर्फ्यू, आगजनी, मारपीट जैसी घटनाओं का जोर था, उन्हीं दिनों साधना की पृष्ठभूमि पर आधारित ग्राम असौदा में सम्पन्न रजत जयंती समारोह ने धार्मिक एकता तथा सामाजिक सद्‌भाव का वातावरण विनिर्मित किया। दो एवं तीन दिसम्बर को आयोजित इस कार्यक्रम के निमित्त २४ महिला मण्डल एवं ६ प्रज्ञा मण्डलों ने सवा करोड़ गायत्री मंत्र लेखन का साधना अभियान चलाया था। समग्र कार्यक्रम में ११ ग्रामों-असौदा, भादाडे, कडगाँव, शिलगाँव, कानसवाडा, देडववाडा, सूजडे, भोलागे, तरसौर, मुमराबाद एवं जलगाँव के परिजनों की प्रमुख सक्रियता रही।

कार्यक्रम की कलश यात्रा में नगर के सभी धार्मिक संगठनों ने भाग लेकर सामाजिक एकता एवं सद्‌भाव की जीवंत झाँकी प्रस्तुत की। प्रतिदिन ६-७ हजार लोगों की भागीदारी रही। संस्कारों की महत्ता के प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण से २०० परिजनों ने दीक्षा ली और १०० बहिनों के पुंसवन संस्कार कराये गये। कार्यक्रम सम्पन्न कराने उपजोन बड़वानी की टोली पहुँची थी।

कैमूर (बिहार)

ग्राम फाखराबाद, जिला कैमूर में २६ से २८ नवम्बर की तारीखों में शक्तिपीठ स्थापना संकल्प रजत जयंती संगतिकरण समारोह सम्पन्न हुआ। क्षेत्रीय स्वयं सेवकों की सदाशयता एवं मिशन की आदर्श विचारधारा के प्रभाव से इस कार्यक्रम में सामाजिक समरसता की सुंदर झाँकी दिखाई दी। मुस्लिम वर्ग ने भी यज्ञ में सहयोग किया, भाग लिया। प्रज्ञा मण्डल सकरी, नेवरास, देवराद, सेमरी, शक्तिपीठ बक्सर, विक्रमगंज, डालमिया नगर, डेहरी, भभुआ, रामगढ़, देवहलिया, भरखर, मोहनीया के कार्यकर्त्ताओं के समन्वय-सहयोग से युगशक्ति की प्रतीक लाल मशाल की जीवंत झाँकी दिखाई दी।

रजत जयंती समारोह में कुल २५ हजार लोगों की भागीदारी रही, सैकड़ों संस्कार हुए। डॉ. विजयचंद्र के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। फाखराबाद, घटोव एवं आसपास की शाखाओं ने बढ़चढ़ कर सहयोग-समयदान किया।

कुरीतियों पर प्रहार

कोरबा (छत्तीसगढ़)

कोरबा के दशहरा मैदान कोसाबाड़ी में सम्पन्न रजत जयंती समारोह में पर्यावरण संवर्धन, व्यसन मुक्ति, भारतीय संस्कृति की रक्षा जैसे विषयों पर कई आकर्षक झाँकियाँ शामिल की गयी थीं। शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने भी अपने वक्तव्य में आज सर्वत्र व्याप्त भ्रष्टाचार, शोषण, कुरीतियाँ, अंधविश्वास का मार्मिक चित्रण करते हुए इनके समाधान के लिए केवल देवी-देवताओं को भेंट-पुजापा और मन्नतों से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमता का विकास और उस पर विश्वास; यही धर्म की प्रमुख सिद्धियाँ हैं। अभाव कहीं नहीं है, मात्र दुरुपयोग से मनुष्य दुःखी है। युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने इसी भटकाव और दुरुपयोग को दूर करने के लिए गायत्री उपासना करने और आत्मबल सम्पन्न बनने का आन्दोलन चलाया है।

प्रतिदिन चार-पाँच हजार लोगों ने कार्यक्रम का लाभ लिया। सैकड़ों संस्कार हुए, याजकों ने अपनी बुराइयों की देव दक्षिणा यज्ञ भगवान को समर्पित की।

दमोह (मध्य प्रदेश)

उपजोन दमोह के अंतर्गत पटेरा, जिला दमोह में २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की कलश यात्रा में आकर्षक झाँकी ओर व्यसन मुक्ति के प्रयासों ने जनता पर गहरी छाप छोड़ी। तत्संबंधी प्रदर्शनी और केन्द्रीय प्रतिनिधि के संदेश ने उसे और प्रभावशाली बनाया। परिणाम स्वरूप शताधिक लोगों ने नशा छोड़ने के संकल्प लिए। ४००० लोगों की भागीदारी वाले इस कार्यक्रम में ६३ लोगों ने गुरुदीक्षा ली और ५-५ प्रज्ञा मण्डल-महिला मण्डलों का गठन हुआ।

इसी टोली का अगला कार्यक्रम बारीगढ़ जिला छतरपुर में आयोजित था। पूर्णाहुति के दिन जब श्री मुन्ना चौरसिया जी के घर के सभी लोग कार्यक्रम में थे, तभी उनके घर शॉर्ट सर्किट हो गया। लोगों ने देखा कि खूब चिनगारियाँ निकलीं, आग लगी, लेकिन जब तक लोग दौड़कर कुछ करते, तब तक आग स्वतः बुझ गयीं। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि पास ही रखी साड़ी में भी एक छोटा छेद तक नहीं हुआ। ऐसा लगा जैसे भगवत् स्मरण करने वाले की रक्षा स्वयं भगवान ही करता हैं।

आस्था की अग्नि परीक्षा

धुलिया (महाराष्ट्र)

शिरपुर तहसील के ग्राम पलासनेर में ७ से ९ नवम्बर की तारीखों में सम्पन्न रजत जयंती समारोह ३०-३५ गाँवों के मंथन से उभरा नवनीत था। प्रयाज के क्रम में पलासनेर के परिजन इन गाँवों में दो-दो, तीन-तीन बार गये एवं यज्ञ-संस्कारों का महत्त्व समझाया। समारोह में प्रकृति ने भी आस्था की परीक्षा की। तूफान और वर्षा से यज्ञशाला-पाण्डाल ध्वस्त हो गये, लेकिन परिजनों ने हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना करते हुए पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ सफलता पूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न कराया। ११०० दीपों की साक्षी में आयोजित दीपयज्ञ के समय ७-८ हजार लोग उपस्थित थे। हजारों लोगों ने गायत्री महामंत्र की दीक्षा ली।

देवरिया (उत्तर प्रदेश)

घुसरी मिश्र में रजत जयंती समारोह की तिथियों (२३ से २६ नवम्बर) में क्षेत्र में कई अन्य धार्मिक समारोह आयोजित थे। आयोजकगण समारोह की सफलता पर असमंजस में थे। लेकिन कलश यात्रा के समय ही श्रद्धा का जो सैलाब उमड़ा, उसे देखकर सफलता की सारी कल्पनाएँ बौनी पड़ गयीं। कलश यात्रा ही एक किलो मीटर लम्बी थी। कलश यात्रा ने स्थानीय आस्था के केन्द्र नौ देवालयों की परिक्रमा की, जिसका समाज पर अनुकूल प्रभाव पड़ा। इस महायज्ञ में उत्तर प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री दुर्गाप्रसाद मिश्रा तथा सांसद श्री हरिकेवल प्रसाद ने भी भाग लिया। दो दर्जन से अधिक दीक्षा संस्कार हुए।

निःशुल्क नेत्र शिविर

छतरपुर (मध्य प्रदेश)

गायत्री शक्तिपीठ गढ़ीमलहरा में तीन दिवसीय २४ कुण्डी गायत्री महायज्ञ का श्री गणेश १८ नवम्बर २००६ को यज्ञ एवं विशाल कलश यात्रा से हुआ। यज्ञ का भूमिपूजन स्थानीय विधायक श्री रामदयाल अहिरवार ने किया। शांतिकुंज से पधारे टोली नायक मेजर चन्द्र शेखर मिश्रा ने कार्यकर्त्ताओं की गोष्ठी कर क्षेत्र में चल रहे प्रज्ञा अभियान, समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने हेतु प्रचार प्रसार एवं नवयुग के अवतरण पर अपने उद्‌बोधन के साथ-२ दिशा निर्देश भी दिए। तीन दिवसीय यज्ञ में हजारों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन २० नवम्बर को सायंकाल भव्य दीपयज्ञ के साथ हुआ। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी १८ दिसम्बर २००६ को गायत्री शक्तिपीठ गढ़ीमलहरा में वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया।

झाँसी (उत्तर प्रदेश)

गायत्री शक्तिपीठ औंतिया तलाब, झाँसी के सौजन्य से झाँसी सीपरी बाजार कारगिल पार्क राम मंदिर प्रांगण में २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। २१ से २५ दिसम्बर की तारीखों में आयोजित यह कार्यक्रम २७ वर्ष पूर्व परम पूज्य गुरुदेव के पदार्पण की स्मृति में आयोजित था। समथर से आयी श्री बलराम वानप्रस्थी की टोली ने यज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा के माध्यम से पूज्यवर के युग निर्माण आन्दोलन का संदेश दिया। इस अवसर पर पूज्यवर का दीर्घकाल तक सान्निध्य प्राप्त श्री बालकृष्ण अग्रवाल ने दीक्षा एवं विद्यारंभ संस्कार कराये। उपजोन ग्वालियर प्रभारी श्री रवीश शर्मा ने प्रबुद्ध एवं मीडियाकर्मियों की गोष्ठी में मिशन के वर्तमान संगठनात्मक स्वरूप की जानकारी दी।

सिक्किम में समारोह

जोरथांग (सिक्किम)

हिमालय की गोद में बसे सुदूरवर्ती प्रांत सिक्किम की राजधानी में २ से ४ जनवरी तक रजत जयंती समन्वय संगतिकरण समारोह आयोजित था। कार्यक्रम संयोजक श्री चंद्रमणि सुब्बा की मिशन निष्ठा से समाज के सभी वर्गों तक मिशन का सामयिक संदेश पहुँचा। मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री चंदूलाल अग्रवाल ने लोगों को धर्म सम्मत कर्म करने की प्रेरणा दी। शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने लोगों को दुर्गावतरण की याद दिलाते हुए सबको संगठित होकर बुराइयों से लड़ने के लिए प्रेरित किया। ⁂